प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में रेशम अपशिष्ट से नवाचारी उत्पादों व हस्तशिल्प से संबंधित व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण सम्पन्न

पन्तनगर। 8 मार्च, 2024। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आई0सी0आर0 टी0एस0पी0 परियोजना के अतर्गत 'रेशम अपशिष्ट से नवाचारी उत्पादों व हस्तशिल्प से संबंधित व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण' 4–8 मार्च, 2024 तक आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण अनुसूचित जनजाति समुदागी के सशक्तिकरण हेतु कम परिश्रम द्वारा रेशम कीट पालन तथा रेशम उत्पाद का उपयोग विविधीकरण परियोजना (टी0एस0पी0 परियोजना) के अंतर्गत कराई गई। प्रशिक्षण में रेशम कीट पालन करने वाले किसानों को रेशम के ककून द्वारा नए उत्पाद व हस्तशिल्प जैसे माला, ज्वैलरी, मेमेंटो, राखी, कार्ड आदि बनाने का कौशल प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण हेतु मुम्बई तथा बैंगलोर के विषय विशेशज्ञों डा. अरुण तथा डा. सुविधा राजू द्वारा रेशम कीट पालक किसानों को कौशल सिखाया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कुलसचिव डा. के.पी. रावेरकर द्वारा किसानों के लिए इस अद्वितीय प्रयास की सराहना की गयी।

कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा कौशल प्रशिक्षण में तैयार मूल्ययुक्त उत्पादों की प्रशंसा की और उन्होंने महिला सशक्तिकरण हेतु एक अच्छा प्रयास बताया। इस दौरान कुलपति द्वारा ककून से बनी प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। डा. चौहान ने परियोजना के अंतर्गत इस प्रशिक्षण में तैयार मूल्ययुक्त उत्पादों के लिए मार्केटिंग करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए परियोजना अधिकारी डा. दिव्या सिंह एवं डा. शेफाली मैसी ने बताया कि तैयार उत्पाद किसान मेला प्रर्दशनी में लगाये जायेंगे जिससे किसानों को हस्तशिल्प उत्पाद विपणन के लिए सहायता प्राप्त हो सके। अधिश्ठात्री, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डा. अल्का गोयल, ने इस परियोजना के विभिन्न उद्देश्यों के बारे में सभी को अवगत कराया। उन्होंने इस परियोजना के अर्न्तगत रेशम कीट पालन की गतिविधियों में होने वाले श्रम को कम करने के दिये गये संशोधित औजार व तकनीकों की भी चर्चा की तथा इस व्यवसायिक कौशल प्रशिक्षण से किसानों की आय में होने वाली वृद्धि के लिए किए गये प्रयासों की सराहना की।

इस परियोजना के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति के रेशम कीट पालन किसानों के लिए चार ट्रेनिंग करायी जा चुकी है जिसमें परियोजना के अंतर्गत ऊधमसिंह नगर के चार ब्लॉक (सितारगंज, काशीपुर, बाजपुर व गदरपुर) के लगभग 200 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया। रेशम विभाग, हल्द्वानी के सह निदेशक श्री हेमचंद्र आर्य ने इस परियोजना से किसानों में होने वाले कौशल विकास, आय वृद्धि व कम श्रम उपयोग की सराहना करते हुए परियोजना समन्वयक डा. दिव्या सिंह व डा. शेफाली मैसी के प्रयासों की भरपूर प्रशंसा की। कार्यक्रम में विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. संदीप अरोरा, डा. एस.के. गुरु, विभागाध्यक्ष डा. सीमा क्वात्रा, डा. अनुपमा पाण्डे, डा. छाया शुक्ला आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।